an>

Title: Regarding Police atrocities in Bihar.

*m01

श्री राजेश रंजन (मधेपुरा) : अध्यक्ष महोदया, बिहार में लोकतंत्र खतरे में है। वहां के 10 करोड़ 33 लाख लोग असुरक्षित हैं। निर्भया और दामिनी की जो घटना घटी थी, तो पूरा देश उस घटना के खिलाफ एकजुट हो गया था। पर्वता के एक गांव में 12 बजे से तीन बजे तक महादलितों के परिवारों को लूटा गया, इज्जत लूटी गई, नंगा करके 100-100 लाठियां 80 महिलाओं को मारी गई। बच्चियों से लेकर 60 वÂर्ष तक की महिलाओं के साथ बलात्कार किया गया और सारे घर लूट लिए गए। वहां पर विधायकों के सरकारी घर हैं, वहां की सरकार के विधायकों के गुंडों के नेतृत्व में लगातार जनप्रतिनिधियों पर हमला हो रहा है। कल पटना में दिन में भाजपा के संगठन मंत्री श्री मनीÂा कुमार को सड़कों पर दौड़ा-दौड़ा कर पीटा गया और गोली मार कर उन्हें मार दिया गया। अभी दस दिन पूर्व दानापुर में दो वकीलों को मारा गया। बिहुपुर में दो मुखियाओं को मारा गया। मुख्य मंत्री के गांव के बगल में तीन किलोमीटर की दूरी पर हरनौत में दो नौजवान लड़कों को गोली मार दी गई। इस तरीके से लगातार बिहार की स्थिति दिनोंदिन इस एक महीने में बद से बदतर होती जा रही है।

इसके अलावा, राज्य में 70 बलात्कार हुए हैं, जिनमें से सात सामूहिक बलात्कार हुए हैं। इन बलात्कारों में सब की सब दलित, महादलित और अति पिछड़े वर्ग की बेटियां हैं। आखिर क्या कारण है कि गरीबों के बारे में और सामाजिक न्याय की बात करने वाली प्रदेश सरकार दलितों, महादलितों की बच्चियों की सुरक्षित नहीं कर सकती। इससे बलात्कारियों का मनोबल बढ़ता जा रहा है। अपराधी प्रत्येक दिन जनप्रतिनिधियों को निशाना बना रहे हैं। मुखिया जी तक नहीं बचते। कल जिस तरीके से पटना में घटना घटी, आपको जानकर आश्चर्य होगा कि एक तरफ अपराधियों और बलात्कारियों को संरक्षण दिया जा रहा है और दूसरी तरफ मुझे एस.पी. द्वारा धमकी दी गई है। पटना के एस.पी. द्वारा धमकी दी गई कि पप्पू यादव को भुगतना होगा। मैं इस सम्बन्ध में यहां प्रिवीलेज मोशन ला रहा हूं। वहां पर लगातार निरह शिक्षकों पर लाठी और गोली चलाई गई। सांख्यिकी में एक विधायक को और वहां के नौजवानों को मार-मार कर बर्बाद कर दिया गया। आंगनवाड़ी और जो रसोई का काम करने वाली महिलाएं हैं, उन्हें टीएटी और एसटीटी को लाठी-गोली की सरकार दबा रही है। अपराधियों के बल पर यह सरकार चल रही है। जब से लालू यादव और नीतीश कुमार में गठबंधन हुआ है, बिहार की स्थिति बहुत ही बदतर हो चुकी है। एक भी जनप्रतिनिधि, एक भी महिला सुरक्षित नहीं है, खासकर दलित और महादलित सुरक्षित नहीं हैं। मैं सीबीआई की इंक्वायरी की मांग करता हूं। परसता की घटना के पीड़ितों को बगैर सीबीआई की जांच के न्याय नहीं मिल सकता है। अध्यक्ष महोदय, मैं इसके ऊपर रिप्लाई चाहता हूं। कल वहां जो घटना घटी है, उसके बाद तो राÂट्रपति शासन के बगैर कुछ नहीं हो सकता है। राÂट्रपति शासन के अंदर ही वहां चुनाव होने चाहिए। राÂट्रपति शासन नहीं लगा तो विधान सभा के चुनाव में पप्पू यादव जैसे जो विपक्षी जनप्रतिनिधि होंगे, उनको मरवा दिया जाएगा। मेरी सुरक्षा छीन ली गयी और आज तक मुझे सुरक्षा नहीं मिली है। केन्द्र सरकार के बावजूद भी पप्पू यादव को मरवाने की साजिश की गयी। मैं आग्रह करूंगा कि पप्पू यादव की जान जाए कोई बात नहीं है, लेकिन पटना में जिन नौजवानों की जान गयी है, ऐसे नौजवानों की जान न जाए इसके लिए केन्द्र सरकार सुनिश्चित करे कि बिहार के नौजवानों की सुरक्षा हो और परसता की घटना की सीबीआई इनक्वायरी हो, अन्यथा न्याय नहीं मिलेगा।

माननीय अध्यक्ष : *m02 श्री भैरों प्रसाद मिश्र, *m03 श्रीमती कोथापल्ली गीता और *m04 श्री पी.पी. चौधरी को श्री राजेश रंजन द्वारा उठाए गए विÂाय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

*m05

श्री कीर्ति आज़ाद (दरभंगा) : अध्यक्ष महोदया, यह बहुत ही गम्भीर बात है कि अगर पप्पू यादव जी जैसे व्यक्ति को जान की धमकी मिले तो सच में लोकतंत्र खतरे में है।

महोदया, कल सुबह गांधी मैदान जहां आज के देश के प्रधानमंत्री और तत्कालीन गुजरात के मुख्यमंत्री का कार्यक्रम हुआ था और वहां छः बम विस्फोट हुए थे। उस समय सरकार ने कहा था कि हम बड़ी मुस्तैदी से लोगों को रखेंगे क्योंकि लाखों लोग सुबह से शाम तक घूमने के लिए आते हैं। भारतीय जनता पार्टी के एक वरिÂठ कार्यकर्ता की निर्मम तरीके से और खुलेआम हत्या की गयी। सरेआम तीन लोग बंदूक लेकर आए और उनको मार दिया। लेकिन मुझे आश्चर्य नहीं है कि वहां की सरकार में इस प्रकार की घिनौनी हरकत हो रही है। अब से लगभग एक महीने पूर्व कमतौल में वहां के थाना प्रभारी ...□को थाने के बाहर तीन गुंडों ने आकर माथे से पिस्टल सटाकर तीन गोली मारी और वह वहीं पर खत्म हो गए।

माननीय अध्यक्ष : आप किसी का नाम मत लीजिए, लेकिन परिस्थति के बारे में बता सकते हैं। हालांकि यह सब स्टेट्स मेटर्स हैं।

श्री कीर्ति आज़ाद: महोदया, नाम बताना इसलिए जरूरी है कि उनको गैलंटरी मेडल मिला हुआ है। उसके बाद गांव-गांव में शराब बेचना तो ...□ की सरकार ने, मुख्यमंत्री की सरकार ने किया, मैं नाम हटा देता हूं। लेकिन पुलिस और प्रशासन का लालच देखिए कि अवैध शराब बन रहा है और सुपौल में तीन लोग उस अवैध शराब को पीकर मर गए, लेकिन आज तक न तो एफआईआर दर्ज हुई और न वह दुकान बंद की गयी है। यही नहीं, सांसद निधि कोÂा से कुछ कार्य करने के लिए मैंने दिया था। वहां के एसडीओ, असिस्टेंट इंजीनियर और जूनियर इंजीनियर नापी करने के लिए गए थे। उन्होंने अवैध रूप से नापी करने के लिए मना किया तो उनको मार-मार कर अधमरा किया गया, लेकिन पुलिस और प्रशासन ने कोई केस नहीं किया और अपने लोगों को बचाया है। आज वहां इस प्रकार की परिस्थिति बन चुकी है कि हमारे मिथिला में मखाना, जो पूजा वगैरह में प्रयोग होता है और लोग उसे खाते भी हैं, उस मखाने को कूटने के मल्लाह, जो कि मछुआरे जाति के होते हैं, वह गांव-गांव में किसानों को ले जाने के लिए आते हैं और कहते हैं कि आप हमारे साथ मखाना फोड़ने के लिए चलिए। उन लोगों को खेतिहर मजदूर के तौर पर इस्तेमाल करते हैं। ऐसे ही एक व्यक्ति एक विशेÂा गांव में गया, मैं नाम नहीं लेना चाहता हूं। उस गांव में गया तो उसको मार-मार कर अधमरा कर दिया गया और कहा गया कि यह बच्चा चुराने के लिए आया था। यह सिर कटुआ है और बच्चे का सिर काट कर ले जाने के लिए आया था। इस प्रकार से मार कर उसको अस्पताल में रखा गया है। मैंने जितने लोगों का जिक्र किया है, ये सभी लोग अस्पताल में हैं और गरीब हैं, सरकारी अफसर हैं, थानाध्यक्ष है, जूनियर इंजीनियर है, असिस्टेंट इंजीनियर है। उनके साथ अवैध शराब बेचने वाले लोग हैं, जिन पर कोई कार्रवाई नहीं हुई है। पप्पू यादव जी ने जिस बात को कहा है कि वहां राÂट्रपति शासन लगना चाहिए, क्योंकि राÂट्रपति शासन के अलावा दूसरा कोई विकल्प नहीं है साथ ही साथ सीबीआई की इनक्वायरी होनी चाहिए, जिससे दूध का दूध और पानी का पानी हो सके और हम लोग अपने आपको सुरक्षित महसूस कर सकें। यदि पप्पू यादव जी सुरक्षित नहीं हैं तो मुझे लगता है कि हम भी सुरक्षित नहीं हैं।

माननीय अध्यक्ष : *m06 श्री सुधीर गुप्ता को श्री कीर्ति आजाद द्वारा उठाए गए विÂाय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

डॉ. भोला सिंह, कृपया सहयोग कीजिएगा।

डॉ. भोला सिंह (बेगूसराय) : महोदया, यदि मेरे जैसे उम्र के व्यक्ति को आप सहयोग करने के लिए कहेंगी तब बचेगा क्या?

माननीय अध्यक्ष : ऐसा नहीं है, आपको बोलने का आगे भी समय मिलेगा।

*m07

डॉ. भोला सिंह: महोदया, बिहार मात्र इस देश का एक संघीय राज्य नहीं है। बिहार सर्वधर्म सम्भाव वाला राज्य है। बिहार की दुनिया के राजनैतिक क्षितिज पर सबसे बड़ी राजनीतिक सत्ता की सीमा है। बिहार दुनिया के सबसे बड़े धर्म की मां है।

माननीय अध्यक्ष : प्लीज भोला सिंह जी आप समाप्त कीजिए।

डॉ. भोला सिंह: मैडम, मैं समाप्त करने वाला हूं। मैं आपके माध्यम से यह कहना चाहता हूं कि कानून व्यवस्था राज्य का प्रश्न है, लेकिन जब कानून व्यवस्था बिगाड़ने का कारक राज्य सरकार बनती है तो केन्द्र चुपचाप बैठा नहीं रह सकता है। इसलिए मैं अभी राÂट्रपति शासन की बात तो नहीं करता, लेकिन मैं एक बात जरूर कहना चाहता हूं कि केन्द्र सरकार बिहार की कानून व्यवस्था को देखे। आज बिहार में स्कूल और कालेज बंद हैं, बच्चे मरते जा रहे हैं, बिहार में प्रत्येक दिन खून की होली खेली जा रही है। वहां इंसान को मारते-मारते खदेड़ा जा रहा है। ऐसे में बिहार सरकार अगर यह कहे कि कानून व्यवस्था का प्रश्न है, यह राज्य का प्रश्न है, यह राज्य का प्रश्न नहीं है। राज्य स्वयं, सरकार स्वयं व्यवस्था और कानून व्यवस्था को बिगाड़ने का कारक है।

इसलिए मैं केन्द्र सरकार से आग्रह करना चाहता हूं कि वह एक शिÂट मंडल बिहार में भेजे और वहां जाकर शिÂट मंडल की जो ओपीनियन हो, जो उनकी जांच-पड़ताल हो, उसे सदन में रखा जाए और सदन उस पर विचार-विमर्श करे और उसकी रोशनी में तत्काल बिहार में एक नई व्यवस्था को लागू करने की अगर आवश्यकता है तो उसे लागू किया जाए। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष : *m08 श्री पी.पी.चौधरी एवं*m09 श्री सुधीर गुप्ता को डा.भोला सिंह द्वारा उठाए गए विÂाय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

*m10

कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री राजीव प्रताप रूडी): अध्यक्ष महोदया, माननीय पप्पू यादव ने जिस विÂाय को उठाया है, कीर्ति आजाद जी, डा.भोला सिंह जी और जनार्दन सिंह सीग्रीवाल भी इस विÂाय को उठाना चाह रहे थे। पटना में निश्चित रुप से जो घटना हुई है, बहुत ही दर्दनाक तरीके से मनीÂा कुमार की हत्या की गई। इसी प्रकार से बिहार से सूचनाएं आ रही हैं और तरह-तरह से सम्मानित सांसद ये सूचनाएं दे रहे हैं। मेरे संसदीय क्षेत्र में भी एक सात वÂाावर्ष बच्ची की हत्या कर दी गई, उसके साथ बलात्कार किया गया। निर्भया से कहीं आगे की यह घटना है। अभी दुर्भाग्य है, यह नहीं कहना चाहिए कि दिल्ली की घटना को लोग और पत्रकार ज्यादा ही उठाते हैं और देहात और गरीब के पास पहुंचने में कठिनाई होती है। लेकिन अनफोर्चुनेटली जिस प्रकार की घटनाएं बिहार में हो रही हैं, यह चिंता का विÂाय है। डा. भोला सिंह जी ने जिस विÂाय को रखा है, यह हम पूरी तरह से स्वीकार करते हैं कि विधि व्यवस्था राज्य का विÂाय है, जिसकी चर्चा हम यहां कर रहे हैं। लेकिन जिस प्रकार से बिहार की विधि व्यवस्था के बारे में माननीय सांसद विÂाय उठा रहे हैं, इस विÂाय पर निश्चित रूप से मैं गृह मंत्री जी से बात करूंगा और एक प्रकार से समीक्षा के दÂिटकोण से जो बातें उठाई जा रही हैं, क्या सचमुच बिहार की स्थिति इतनी गंभीर हो चुकी है, क्या सचमुच विधि व्यवस्था की स्थिति ऐसी हो गई है। निश्चित रूप से मैं इस विÂाय पर माननीय गृह मंत्री जी से बातचीत करूंगा और आवश्यकता पड़ी तो इस विÂाय पर एक समीक्षा के दÂिटकोण से उनके साथ बैठक करके...(व्यवधान) जहां माननीय सांसद माननीय गृह मंत्री जी के साथ बैठकर बिहार की स्थिति के बारे में जो केन्द्र स्तर की समीक्षा है, उसके बारे में बात करके निश्चित रुप से हम इनके प्रस्ताव पर विचार करेंगे।...(व्यवधान)